

बमिसटेक

प्रलिसके के ललल:

[बहु-कषेतरीय तकनीकी और आरथकी सहयोग के ललल बंगल की खलडी पहल \(बमिसटेक\), भारत-परशांत कषेतर, हदल महासागर, दकषणल एशललई कषेतरीय सहयोग संघ](#)

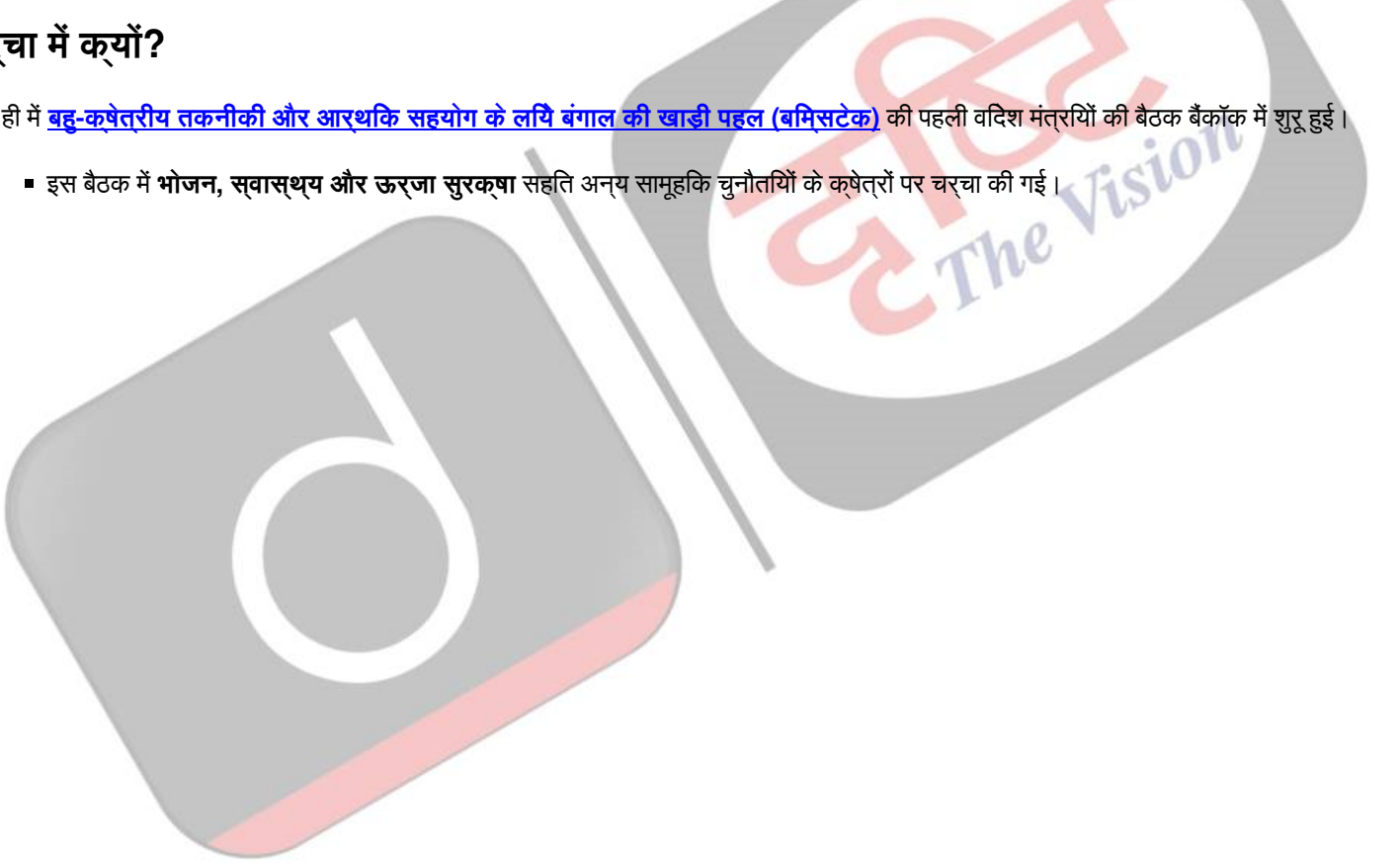
मेन्स के ललल:

कषेतरीय सहयोग के ललल बमिसटेक का महत्व

चरचा में क्यों?

हाल ही में [बहु-कषेतरीय तकनीकी और आरथकी सहयोग के ललल बंगल की खलडी पहल \(बमिसटेक\)](#) की पहली वदलश मंत्रलियों की बैठक बैकॉक में शुरू हुई ।

- इस बैठक में भोजन, सवास्थय और ऊरजा सुरकषा सहलतल अन्य सामूहकी चुनौतलियों के कषेत्रों पर चरचा की गई ।





बिम्सटेक

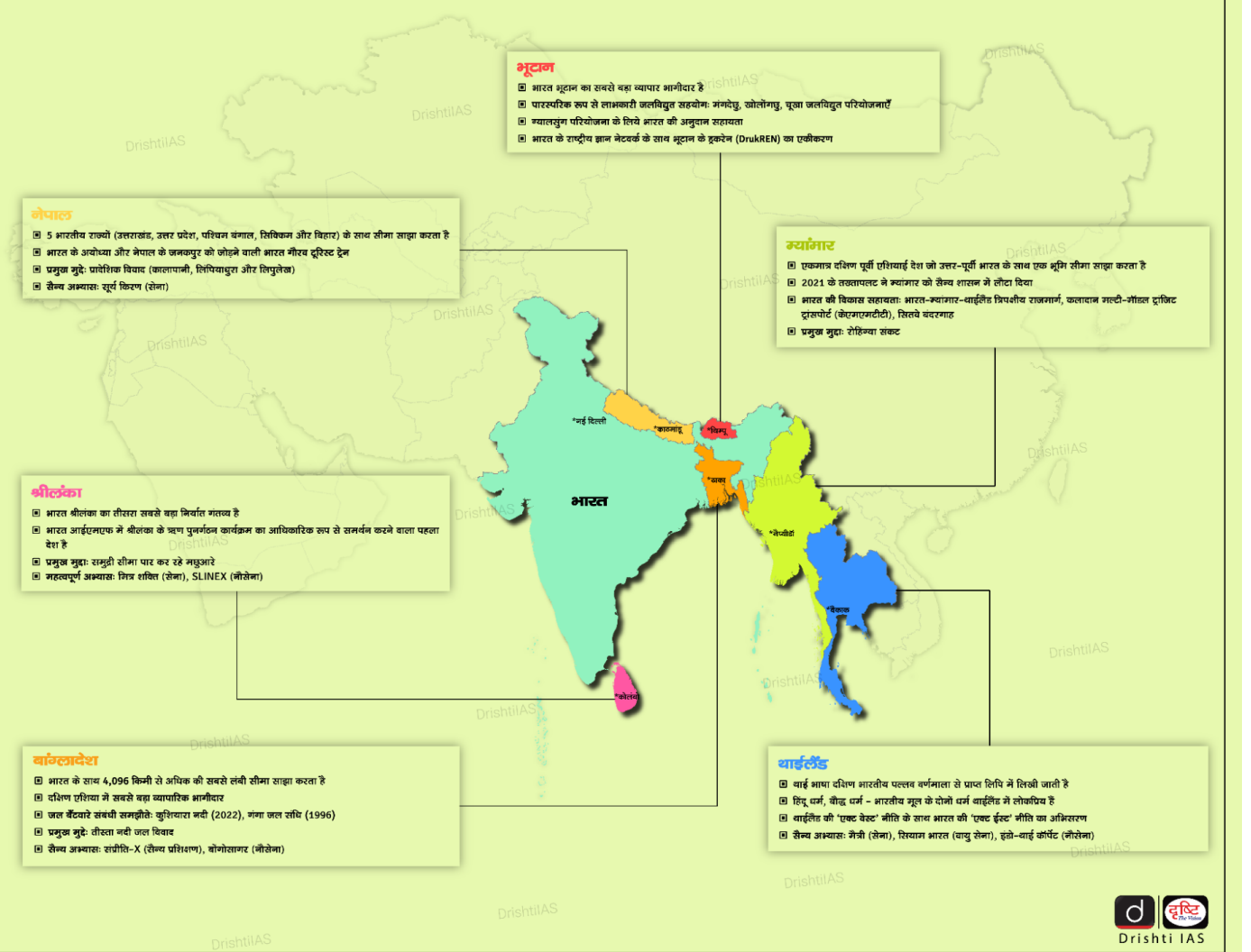
बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल

सदस्य: 7

गठन: 6 जून 1997 (बैकाक घोषणा)

महत्त्व: दुनिया की 22% आबादी की मेजबानी करता है, सकल घरेलू उत्पाद का 3.8 ट्रिलियन है

सचिवालय: ढाका, बांग्लादेश



//

बिम्सटेक:

परिचय:

- बिम्सटेक सात सदस्य देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसमें दक्षिण एशिया के पाँच देश- बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल,

श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया के दो देश- म्यांमार एवं थाईलैंड शामिल हैं।

• यह उप-क्षेत्रीय संगठन 6 जून, 1997 को बैंकाक घोषणा के माध्यम से अस्तित्व में आया।

• BIMSTEC का सचिवालय बांग्लादेश के ढाका में है।

■ संस्थागत तंत्र:

- बमिस्टेक शिखर सम्मेलन
- [मंत्रसित्रीय बैठक](#)
- वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक
- बमिस्टेक कार्य समूह
- व्यापार मंच एवं आर्थिक मंच

■ सहयोग:

- बमिस्टेक के अंतर्गत सहयोग प्रारंभ में वर्ष 1997 में 6 क्षेत्रों (व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, परविहन, पर्यटन और मत्स्य पालन) पर केंद्रित था तथा बाद में वर्ष 2008 में अन्य क्षेत्रों में विस्तारित हुआ।
- प्रत्येक सदस्य देश ने पुनर्गठन के बाद वर्ष 2021 में विशिष्ट क्षेत्रों का नेतृत्व ग्रहण किया।
- भारत आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराध, आपदा प्रबंधन तथा ऊर्जा सहयोग के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

बमिस्टेक का महत्त्व:

■ वैश्विक स्तर पर महत्त्व:

- विश्व की लगभग 22% आबादी बंगाल की खाड़ी के आसपास के सात देशों में रहती है जिनकी संयुक्त GDP 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के करीब है।
- वर्ष 2012 से 2016 तक सभी सात देशों की औसत वार्षिक वृद्धि दर 3.4% और 7.5% के बीच बनी रही।
- प्रत्येक वर्ष विश्व के एक-चौथाई माल का व्यापार खाड़ी के माध्यम से किया जाता है।

■ क्षेत्रीय रणनीतिक प्रोत्साहन:

- बमिस्टेक (BIMSTEC) के विकास हेतु बमिस्टेक देशों के पास रणनीतिक प्रोत्साहन प्राप्त है।
- उदाहरण के लिये बांग्लादेश बमिस्टेक को बंगाल की खाड़ी पर एक लघु देश न मानकर अपनी स्थिति को सुदृढ़ करने के लिये एक मंच के रूप में देखता है।
- श्रीलंका इसे दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़ने तथा [हिंद-प्रशांत क्षेत्र](#) का व्यापक केंद्र बनने के अवसर के रूप में देखता है।
- नेपाल और भूटान का लक्ष्य अपनी स्थलरुद्ध भौगोलिक स्थिति पर नयितरण प्राप्त करने के लिये बंगाल की खाड़ी क्षेत्र से जुड़ना है।
- म्यांमार एवं थाईलैंड भारत और बमिस्टेक के साथ गहरे संबंधों को भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार तक पहुँचने, क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन की उपस्थिति के विकल्प के तौर पर विकसित करने के साधन के रूप में देखते हैं।
- यह आर्थिक एकीकरण, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और शांति एवं विकास हेतु साझा मूल्यों का लाभ उठाने की अनुमति प्रदान करता है।

■ भारत के लिये महत्त्व:

- बमिस्टेक न केवल दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ता है बल्कि महान हिमालय और बंगाल की खाड़ी की पारस्थितिकी को भी शामिल करता है।
- भारत बमिस्टेक को "नेबरहुड फ़रस्ट" और "एक्ट ईस्ट" के अपने विदेश नीति उद्देश्यों को प्राथमिकता देने के लिये एक सहज मंच के रूप में देखता है।
 - बमिस्टेक का महत्त्व तब सामने आया जब इसके कुछ सदस्य देशों ने इस्लामाबाद में [दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन](#) (South Asian Association for Regional Cooperation- SAARC) शिखर सम्मेलन के बहिष्कार के भारत के आह्वान का समर्थन किया, जिसके कारण इसे बाद में स्थगित करना पड़ा था।
 - इस कदम से भारत ने पाकिस्तान को इससे बाहर रखने में सफलता हासिल की थी।

■ चीन की आक्रामकता :

- [हिंद महासागर](#) तक अपने पहुँच के मार्ग को बनाए रखने में तेज़ी से मुखर हो रहे चीन के लिये बंगाल की खाड़ी का काफी महत्त्व है।
 - भूटान और भारत को छोड़कर, चीन ने [बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि](#) (BRI) के माध्यम से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण तथा निर्माण के लिये एक वृहत अभियान शुरू किया है, जिस कारण बमिस्टेक भारत और चीन के बीच प्रभुत्व के संघर्ष के लिये एक नया मोर्चा बन गया है।
- बमिस्टेक की सहायता से भारत, चीनी नविश का मुकाबला करने के लिये एक रचनात्मक एजेंडे का निर्माण कर सकता है और/या फरि मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के आधार पर कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन कर सकता है।
 - चीनी परियोजनाओं को व्यापक रूप से इन मानदंडों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है।

■ शांति और नौवहन की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना:

- दक्षिण चीन सागर में चीन के रवैये के विपरीत बंगाल की खाड़ी को खुले और शांतपूर्ण क्षेत्र के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।
- यह नौवहन की स्वतंत्रता को संरक्षित करने और मौजूदा समुद्री कानून को क्षेत्रीय स्तर पर लागू करने वाले आचार संहिता का विकास कर सकता है।
- इसके अतिरिक्त बमिस्टेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र की शांति जैसी पहल स्थापित करके इस क्षेत्र में बढ़ते सैन्यीकरण को रोक सकता है जिसका उद्देश्य अतिरिक्त क्षेत्रीय शक्तियों की आक्रामक कार्रवाइयों पर लगाम लगाना है।

बमिस्टेक की सारक से भिन्नता

सारक	बमिस्टेक

1. दक्षिण एशिया पर नज़र रखने वाला एक क्षेत्रीय संगठन
2. शीतयुद्ध काल के दौरान वर्ष 1985 में स्थापित।
3. सदस्य देशों को अवशिवास और संदेह का खामियाजा भुगतना पड़ता है।
4. क्षेत्रीय राजनीति से पीड़ित।
5. असममति शक्तिसंतुलन।
6. अंतर-क्षेत्रीय व्यापार केवल 5 प्रतिशत।

1. दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाला अंतरक्षेत्रीय संगठन।
2. शीत युद्ध के बाद वर्ष 1997 में स्थापित।
3. सदस्य यथोचित मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखते हैं।
4. मुख्य उद्देश्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग में सुधार करना है।
5. ब्लॉक में थाईलैंड और भारत की उपस्थिति के साथ शक्तिसंतुलन।
6. एक दशक में अंतर-क्षेत्रीय व्यापार लगभग 6 प्रतिशत बढ़ गया है।

आगे की राह

- बमिस्टेक सदस्य देशों को व्यापार, पर्यटन, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन, मत्स्य पालन, सुरक्षा, आतंकवाद वरिधी, आपदा प्रबंधन और ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
- संगठन को वर्तमान समझौतों को लागू करने और सहयोग के लिये नए रास्ते तलाशने की दिशा में कार्य करना चाहिये।
- बमिस्टेक को व्यापार सुविधा बढ़ाने, बाधाओं को कम करने और सदस्य देशों के बीच आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करना चाहिये।
- संगठन को क्षेत्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिये **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** के अवसर तलाशने चाहिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. आपके विचार में क्या बमिस्टेक (BIMSTEC) सार्क (SAARC) की तरह एक समानांतर संगठन है? इन दोनों के बीच क्या समानताएँ और असमानताएँ हैं? इस नए संगठन के बनाए जाने से भारतीय विदेश नीतिके उद्देश्य कैसे प्राप्त हुए हैं? (2022)

[स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bimstec-16>